Discipline Specific Course

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-C-311

आधुनिक हिन्दी कविता

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भारतेंदु युगीन नवजागरण का अनुशीलन कर सकेंगे.
- मुक्तछंद की अवधारणा और निराला साहित्य का विवेचन-विश्लेषण कर सकेंगे.
- आधुनिक साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.
- साहित्यकारों के वैचारिक पक्ष का तुलना कर सकेंगे.
- आधुनिकता बोध और समकालीन साहित्य की समझ का विकास होगा.

पाठ्य पुस्तक-

आधुनिक हिन्दी-कविता - डॉ० सुरेन्द्र कुमार,प्रकाशक - हरियाणा साहित्य संस्थान, महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)

इकाई-1(व्याख्या हेतु)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र- निजभाषा उन्नति,
- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – माता यशोदा की व्यथा(प्रिय-प्रवास)
- मैथिलीशरण गुप्त – पंचवटी-वर्णन,

इकाई-2(व्याख्या हेतु)

- जयशंकर प्रसाद – अरुण यह मधुमय देश हमारा, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, कामायनी 'चिंता सर्ग(10 पद)
- महादेवी वर्मा- ये मंदिर का द्वीप
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- भिक्षुक, बादल-राग, तोड़ती पत्थर
- नागार्जुन- अकाल और उसके बाद,शासन की बंदूक

इकाई-3

- भारतेंदु का व्यक्तित्व- कृतित्व, भारतेंदु की राष्ट्रीय भावना, काव्यगत विशेषताएं.
- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का परिचय, प्रियप्रवास में यशोदा विलाप, प्रिय-प्रवास की राधा, प्रिय-प्रवास का महाकाव्यत्व
- मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व-कृतित्व, गुप्त जी की राष्ट्रीय भावना, प्रकृति-चित्रण, साकेत का काव्य सौष्ठव

इकाई-4

- जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय, प्रसाद का राष्ट्र प्रेम, प्रसाद का सौन्दर्यबोध, प्रसाद की काव्यकला.चिंता सर्ग का वैशिष्ट्य.
- महादेवी वर्मा - परिचय और काव्यगत विशेषताएं.

इकाई-5

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय,वैविध्य के कवि निराला, निराला की प्रगति चेतना, काव्यगत विशेषताएं|
- नागार्जुन का साहित्यिक परिचय, नागार्जुन के काव्य में जनचेतना, राजनीतिक व्यंग्य, नागार्जुन का काव्य सौष्ठव.

सहायक ग्रंथ-

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि- डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. आधुनिक कवि- विश्वम्भर मानव
3. हरिऔध के महाकाव्य : वस्तु और शिल्प - डॉ० ज्ञान चन्द रावल
4. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य - डॉ० कमला कान्त पाठक
5. प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर
6. निराला काव्य का अध्ययन- डॉ० भगीरथ मिश्र
7. महादेवी नया मूल्यांकन -गणपति चन्द गुप्त